A **(Printed Pages 3)**

Roll. No. _____

A-257

बी.ए. (प्रथम वर्ष) परीक्षा, 2015

ज्योतिर्विज्ञान

प्रथम प्रश्न-पत्र

(ज्योतिर्विज्ञान का सामान्य परिचय)

समय : तीन घण्टे] **[पूर्णाङ्क : 50**

निर्देश : कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **प्रथम** प्रश्न **अनिवार्य** है। प्रत्येक वर्ग से **एक-एक** प्रश्न कीजिए।

1. निम्नलिखित प्रश्नों के लघु उत्तर दीजिए : 2×10

(क) वराहमिहिर द्वारा रचित एक ग्रन्थ का नाम लिखिए।

(ख) उत्तरायण का प्रारम्भ किस राशि से होता है?

(ग) क्रान्तिवृत की परिभाषा लिखिए।

(घ) नक्षत्र क्रम में अभिजित् नक्षत्र का घटीमान क्या है?

(ड.) अश्विनी नक्षत्र में उत्पन्न जातक की कौन सी राशि होगी।

(च) चर करणों के नाम लिखिए।

P.T.O.

(छ) बुध की मूलत्रिकोण राशि क्या है।

(ज) लघुपराशरी के रचयिता कौन हैं।

(झ) ग्रहों का कक्षाक्रम क्या है।

(ञ) गण्डान्त मूल के कितने नक्षत्र हैं।

प्रथम वर्ग

2. पलभा साधन विधि का निरूपण कीजिए। 7½

3. भयात्, भभोग साधन विधि बतलाइये। 7½

द्वितीय वर्ग

4. विवाह के कितने नक्षत्र हैं नक्षत्रों के नाम लिखिए? 7½

5. मैत्र संज्ञक नक्षत्रों को लिखकर उसमें विहित कार्यों का उल्लेख कीजिए। 7½

तृतीय वर्ग

6. राशि नक्षत्रों के पारस्परिक सम्बन्धों की व्याख्या कीजिए। 7½

7. ज्योतिष-शास्त्र की परिभाषा देते हुए ज्योतिर्विज्ञान की समीक्षा कीजिए। 7½

चतुथ्चतुर्थ वर्गी वर्ग

8. होरा स्कन्ध की समीक्षा कीजिए। 7½

9. पंचांग किसे कहते हैं। पंचाग के पाँच अंगों का विश्लेषण कीजिए। 7½